चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30-12-23	3	3-6

हकृवि में जल संवाद • जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

जल अमूल्य संसाधन, भावी पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटर शेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला के समापन पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र देते हुए।

देश में बारिश का केवल 8 % जल का उपयोग होता है : डॉ. मलिक

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप मलिक ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः चार आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सकें। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 % जल का उपयोग होता है बाकि 92 % पानी बर्बाद हो जाता है। भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसलिए जल संरक्षण करना जरूरी है। इस अवसर पर विज्ञान भारती, हिसार के जिला समन्यवक डॉ. संजय बारूआ, विभावाणी के कार्यकारी निदेशक डॉ. एन.पी. राजीव, विभावाणी के चेयरमैन डॉ. सुनील चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30-12-23	4	4-7

जल अमूल्य संसाधन, भावी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. कांबोज

एचएयू परिसर में जलसंवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। यह कहना है हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का। वे विवि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय व उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी को फील्ड में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जुड़कर कृषि में जल की खपत को कम करें और अन्य लोगों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

हिसार के एचएयू में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन के मौके पर प्रतिभागी को प्रमाणपत्र सौंपते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यत : चार आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सकें। दूसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुनः उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, डॉ. जाकिर हुसैन, संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू नागपाल आदि मौजूद रहे।

जल आंदोलन को जनांदोलन बनाना होगा : डॉ. प्रताप सिंह

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने जल संरक्षण का महत्व समझाया। डॉ. प्रताप ने कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने बजट भी आवंटित किया है। इन योजनाओं को पूरा कराया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.12.23	2	4-6

जल अमूल्य संसाधन : प्रो. बीआर

- जल संवाद, जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण पर कार्यशाला
- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति रहे मुख्यातिथि

जागरण संवाददाता, हिसार : जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद, जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. प्रताप मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए● पीआरओ

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह विभावाणी के सचिव डा. जाकिर हुसैन, उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक डा. मंजू नागपाल, जिला समन्यवक डा. संजय बारूआ, कार्यकारी निदेशक डा. एनपी राजीव, विभावाणी के चेयरमैन डा. सुनील चतुर्वेदी आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30.12.23	11	1-2

जल अमूल्य, भावी-पीढ़ी के लिए बचाना जरूरी : काम्बोज

हिसार में शुक्रवार को हकृवि में आयोजित कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते प्रो. बीआर काम्बोज। -हप्र

हिसार, 29 दिसंबर (हप्र)

जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। भावी-पीढ़ी के लिए जल बचाने को सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि कही।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	30-12-23	11	1-5

भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत : प्रो. काम्बोज

■ जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज शुक्रवार को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने इस दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि विभावाणी के सचिव डॉ. जाकिर हुसैन ने धन्यवाद किया।

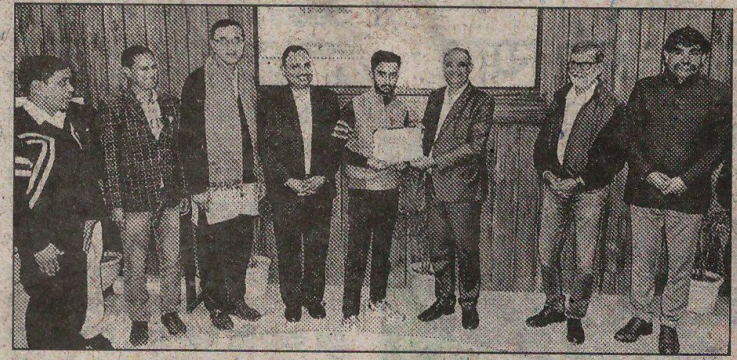

हिसार। दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यत: चार आयामों पर काम करने पर बल दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.12.23	10	1-3

जल अमूल्य संसाधन, इसे बचाना जरूरी : प्रो.बी.आर. काम्बोज

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

हिसार, 29 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद: जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर ज़ोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर जल संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सभी को पानी की कम से कम खपत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मुख्यातिथि ने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्यशाला एवं प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी को फिल्ड में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जुड़कर कृषि में जल की खपत को कम करें और अन्य लोगों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30-12-23	3	3-4

प्रतिभागी को प्रमाण–पत्र वितरित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज।

'हम व्यर्थ में बह जाने देते हैं बारिश का 92 प्रतिशत जल'

हिसार, 29 दिसम्बर (ब्यूरो): जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिग एवं प्लेसमैंट सैल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यत: 4 आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी, ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सकें। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 प्रतिशत जल का उपयोग होता है, बाकि 92 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। दूसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुन: उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अभियान से जुड़कर दूसरों को उपरोक्त चारों आयामों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	29.12.2023	--	--

जल अमूल्य संसाधन, भावी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो.बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 29 दिसंबर। जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद " जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशैड विकास, वर्षा जल संचय तथा ज्ञात तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर जल संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सभी को पानी को कम से कम खपत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मुख्यातिथि ने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्यशाला एवं प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी को फिल्ड में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जुड़ कर कृषि में जल की खपत को कम करें और अन्य लोगों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

जल संरक्षण के लिए जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाना जरूरी : मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः चार आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सके। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 प्रतिशत जल का उपयोग होता है बाकि 92 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। दूसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुनः उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अभियान से जुड़ कर दूसरों को उपरोक्त चारों आयामों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाया जा सके। उन्होंने विभावाणी द्वारा जल संरक्षण से जुड़ी मुहिम चलाने पर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल में केवल 100 मिली.लीटर वर्षा होती है, जबकि भारत में 1068 मिली.लीटर वर्षा होने के बावजूद इजराइल देश ने पानी को पीने योग्य बनाने के लिए अनेक अनुसंधान कर कई विकल्प तैयार किए है। हमें भी उनका अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने इस दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि विभावाणी के सचिव डॉ. जाकिर हुसैन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू नागपाल ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विज्ञान भारती, हिसार के जिला समन्वयक डॉ. संजय बाम्बा, विभावाणी के कार्यकारी निदेशक डॉ. एन. पी. राजीव, विभावाणी के चेयरमैन डॉ. सुशील चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद्, विद्यार्थीगण सहित विभिन्न संगठनों के सदस्य भी शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.12.2023	--	--

जल अमूल्य संसाधन, भावी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह

जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर जल संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सभी को पानी को कम से कम खपत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मुख्यातिथि ने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्यशाला एवं प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी को फिल्ड में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जुड़कर कृषि में जल की खपत को कम करें और अन्य लोगों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

जल संरक्षण के लिए जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाना जरूरी : डॉ. प्रताप सिंह

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी।

इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन डॉलर का बजट भी आवंटित किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः चार आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सके। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 प्रतिशत जल का उपयोग होता है बाकि 92 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। दूसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुनः उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अभियान से जुड़कर दूसरों को उपरोक्त चारों आयामों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाया जा सके। उन्होंने विभावाणी द्वारा जल संरक्षण से जुड़ी मुहिम चलाने पर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल में केवल 100 मिली.लीटर वर्षा होती है, जबकि भारत में 1068 मिली.लीटर वर्षा होने के बावजूद इजराइल देश ने पानी को पीने योग्य बनाने के लिए अनेक अनुसंधान कर कई विकल्प तैयार किए है। हमें भी उनका अनुसरण करना चाहिए।